

विषय: भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय हलचल, चक्रवात आदि जैसी महत्वपूर्ण भू-भौतिकीय घटनाएँ, भौगोलिक विशेषताएँ और उनके स्थान।

1. ग्रीष्म संक्रांति (Summer solstice)

21 जून को 'ग्रीष्मकालीन अयनांत' / ग्रीष्म संक्रांति (Summer Solstice) भी कहा जाता है। यह ग्रीष्म ऋतु का सबसे लंबा दिन होता है। ग्रीष्म संक्रांति के दिन सूर्य की अवस्थिति कर्क रेखा (Tropic of Cancer) के ठीक ऊपर होती है।

कारण: लैटिन भाषा में 'सॉल्टिस्टस' (Solstice) का अर्थ 'सूर्य की स्थिर अवस्था' (sun stands still) होता है। संक्रांति या 'अयनांत', पृथ्वी के अपनी धुरी पर झुकाव और सूर्य के चारों ओर कक्षा में परिक्रमण करने के दौरान घटित होने वाली एक **खगोलीय घटना** है।

जून संक्रांति के दिन, पृथ्वी अपनी कक्षा में इस प्रकार अवस्थित होती है, कि हमारे विश्व का उत्तरी ध्रुव सूर्य की ओर सर्वाधिक झुक जाता है।

पृथ्वी से देखने पर, दोपहर के वक्त सूर्य, भूमध्य रेखा के उत्तर में स्थित कर्क रेखा के ठीक ऊपर होता है। कर्क रेखा, 23 ½ डिग्री उत्तरी अक्षांश पर ग्लोब के चारों ओर वृत्त बनाती हुई एक काल्पनिक रेखा है- इसका नामकरण 'कर्क नक्षत्र' (constellation Cancer the Crab) के ऊपर किया गया है। यह सूर्य की अधिकतम उत्तर की स्थिति पर स्थित होती है, अर्थात् सूर्य इस रेखा आगे उत्तर दिशा में नहीं जाता है।

निहितार्थ:

1. भूमध्य रेखा के उत्तर में सभी जगहों पर **जून संक्रांति के अवसर पर दिन की अवधि 12 घंटे से अधिक** होती है। जबकि इसी दौरान, भूमध्य रेखा के दक्षिण में सभी स्थानों पर दिन की अवधि 12 घंटे से कम होती है।
2. इस दिन, पृथ्वी पर सूर्य से अधिक मात्रा में ऊर्जा प्राप्त होती है। नासा के अनुसार, इस दिन पृथ्वी को सूर्य से प्राप्त होने वाली ऊर्जा की मात्रा, भूमध्य रेखा की तुलना में, उत्तरी ध्रुव पर **30 प्रतिशत अधिक** होती है।

'शीतकालीन संक्रांति' क्या है?

'शीतकालीन अयनांत' या 'शीतकालीन संक्रांति' (Winter Solstice) की परिघटना 21 दिसंबर को होती है, और यह उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे छोटा दिन होता है।

- 'शीतकालीन संक्रांति' पर उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे छोटा दिन और सबसे लंबी रात होती है और इसे उत्तरी गोलार्ध में '**सर्दियों का पहला दिन**' और 'हिमल सॉल्टिस्टस' (Hiemal solstice) या शिशरी संक्रांति / 'हाइबरनल सॉल्टिस्टस' (Hibernal solstice) के रूप में भी जाना जाता है।
- इस समय, उत्तरी गोलार्ध में स्थित देशों की सूर्य से दूरी सर्वाधिक होती है, और सूर्य की अवस्थिति 23.5° दक्षिणी अक्षांश पर स्थित 'मकर रेखा' (Tropic of Capricorn) के ठीक ऊपर होती है।

इंस्टा जिज्ञासु: जून संक्रांति के लगभग दो सप्ताह बाद, पृथ्वी और सूर्य के मध्य दूरी अधिकतम हो जाती है। इस दौरान 'अपसौर' की परिघटना होती है। क्या आप जानते हैं कि उपसौर और अपसौर (Perihelion and Aphelion) क्या होते हैं?

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

